8

# आज मेरी छुट्टी है

सूर्य अपनी तेज किरणों से जल को बादल बना देता है। बादल वर्षा करते हैं। वर्षा की बूँदों पर जब सूर्य की किरणें पड़ती है तो क्या बनता है ? पढ़कर देखें।

बच्चे – अरे ! आज यह क्या हो गया ! आसमान पर बादल भी नहीं हैं। आज फिर सूर्यदेव मुँह छुपाकर कहाँ भाग गए। बिलकुल अँधेरा हो गया है।

मोहित – मेरी दादी माँ कह रही थी कि आज सूर्य–ग्रहण लगेगा। विद्यालय मत जाओ, छुट्टी ले लो।

सूर्य – अरे! सब छुट्टी लेते हो, कभी त्योहारों की, कभी गरमियों की, कभी सरदियों की। मैंने एक दिन थोड़ी देर की छुट्टी ली तो इतना कोलाहल क्यों ?

आर्यन – सूर्य जी, जब बादल आते हैं तब भी आप छुट्टी पर ही रहते हैं।

सूर्य – न–न–न ! तब तो बादल मुझे ढक लेते हैं। मैं तो अपना काम करता ही रहता हूँ।

मान्या – काम ! आप क्या काम करते हैं ज़रा हमें बतला दीजिए।

सूर्य – वाह ! तुम्हें इतना भी नहीं पता ? मैं ही तो बादल लाता हूँ। अपनी तेज किरणों से तालाब, नदियों ,समुद्रों का जल सुखाकर भाप बनाता हूँ जो ऊपर की ठंडक से बादल बन जाते हैं। यही बादल फिर वर्षा लाते हैं। क्या यह

काम नहीं है ? और हाँ, वर्षा के दिनों में इंद्रधनुष देखा है कभी ?

आर्यन – हाँ–हाँ, क्यों नहीं! जरूर देखा है। हमें इंद्रधनुष बहुत सुंदर लगता है। सात रंग होते हैं उसमें!

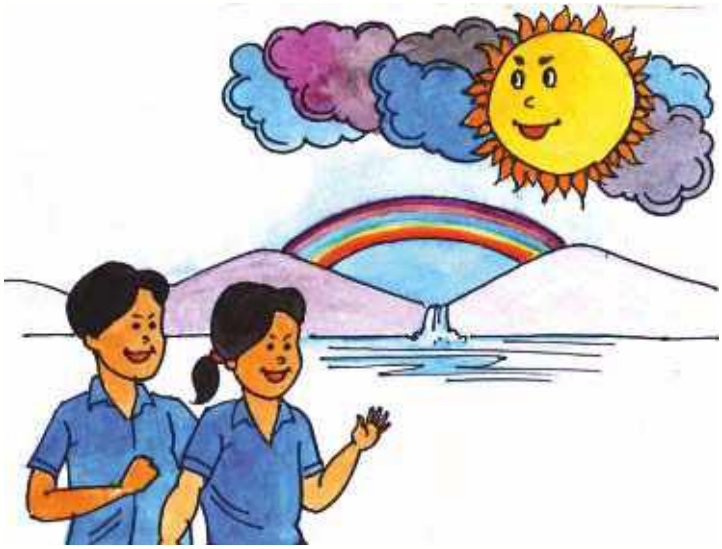

सूर्य – तब तो तुम्हें यह भी मालूम होगा कि इंद्रधनुष में रंग भरने का काम तो मेरा ही है।

मान्या – भला कैसे ?

सूर्य – देखो, पानी की बूँदों से जब मेरी किरणें गुजरती हैं तो मैं अपने प्रकाश से उनमें सातों रंग बिखेर देता हूँ। उन्हीं रंगों से तो वह सुंदर हो जाता है। ज़रा बिना रंगों के बनाकर देखो , कितना फीका लगता है!

आर्यन – वाह! यह तो आपने नई बात बताई। सात रंगों के नाम क्रम से आते हैं– लाल, नारंगी, पीला, हरा, आसमानी, नीला, बैंगनी। मैं अभी रंग भर देता हूँ इस इंद्रधनुष में!

सूर्य – ये तो हुए ऊपर से नीचे आते रंग! अब नीचे से ऊपर जाते रंगों के नाम भी बोलो।

आर्यन – बैंगनी, नीला, आसमानी, हरा, पीला, नारंगी, लाल! हैं न सही, सूर्य जी, मैंने अपनी पुस्तक में पढ़े थे और रंग भी भरे थे।

मान्या – मुझे इंद्रधनुष के रंगों के नाम नहीं आते।

आर्यन – तुम मेरे रंग ले लो और इस इंद्रधनुष में भर दो। तुम्हें नाम भी आ जाएँगे और इंद्रधनुष भी सज जाएगा। उधर देखो, सूर्यदेव सामने आ रहे हैं, लगता है उनकी छुट्टी समाप्त हो गई है। सुनो घंटी बज रही है– टन–टन, टन–टन।

मान्या – भैया! ज़रा सूर्यदेव का अपना रंग तो देखो ! बिलकुल लाल है। आकाश कितना सुंदर लग रहा है। ऐसा लगता है मानो किसी चित्रकार ने चित्र बना दिया हो।

आर्यन – संध्या हो गई है। सूर्यजी अपने घर जाने की तैयारी में हैं। ये अपना कुछ प्रकाश चंद्रमा को देकर घर जाएँगे। चलो, हम भी चलें।

## अभ्यास–कार्य

### शब्द–अर्थ

**सूर्यग्रहण** – सूर्य पर पृथ्वी की छाया पड़ना

**कोलाहल** – शोर

**प्रकाश** – रोशनी

**क्रम** – बारी

**सूर्यास्त** – सूर्य का छिपना

**संध्या** – सांय

### उच्चारण के लिए

संध्या, प्रकाश, इंद्रधनुष, समुद्र, विद्यालय, मुँह, सूर्यदेव, चंद्रमा

### सोचें और बताएँ

1. ''आज मेरी छुट्टी है'' किसने कहा ?
2. कोलाहल कौन मचा रहा था ?
3. दिन में अंधेरा क्यों हो गया ?

## लिखें

1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कोष्ठक में दिए शब्दों में से चुनकर करें–

   (प्रकाश, सात, छिप)

   (अ) बादल आने पर सूर्य........................जाता है।

   (ब) सूर्य हमें ....................................देता है।

   (स) इंद्रधनुष में ..............................रंग होते हैं।

2. सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखें

   (अ) सूर्य को ढक लेते हैं–

   (क) धूप (ख) बादल

   (ग) दिन (घ) रात ( )

   (ब) सूर्य पानी से बनाता है–

   (क) नमक (ख) बर्फ

   (ग) बादल (घ) रोशनी ( )

3. इंद्रधनुष कैसे बनता है ?
4. मेरी दादी माँ कह रही थी कि आज सूर्य–ग्रहण लगेगा। यह बात किसने कही ?
5. इंद्रधनुष के रंगों के नाम लिखिए।
6. आर्यन ने अंतिम बात क्या कही और किससे कही ?

## भाषा की बात

- पाठ में 'र' के तीन रूप आए हैं। आप ऐसे शब्दों को छाँट कर लिखें, जिनमें खाने में दिए गए 'र' का रूप लिखा हो।

| र | ॅ (र्) | ्र |
|---|---|---|
| घर | सूर्यदेव | ग्रहण |
| | | |
| | | |
| | | |

- पढ़ते और लिखते समय कहीं–कहीं रुकना पड़ता है। कभी थोड़ा, कभी बहुत रुकने के लिए कुछ चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, जिन्हें '**विराम चिह्न**' कहते हैं।

  दिए गए विराम चिह्नों का मिलान करें–

| | |
|---|---|
| पूर्ण विराम | ? |
| प्रश्न सूचक चिह्न | , |
| अल्प विराम | ! |
| विस्मयादिबोधक चिह्न | । |

- पाठ में से निम्नलिखित चिह्नों पर आधारित वाक्य आए हैं, उन्हें छाँट कर लिखिए

(अ) ? .....

(ब) । .....

(स) ! .....

(द) , .....

- निम्नलिखित शब्दों के सामने दिए गए शब्दों में से अलग अर्थ देने वाले शब्द पर (X) का निशान लगाइए।

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| बादल | – | मेघ | जलद | आसमान | घन |
| सूरज | – | रवि | सुबह | भानु | भास्कर |
| चंद्रमा | – | शशि | राकेश | सोम | रात |

## यह भी करें

- वर्ग पहेली में से शब्द ढूँढकर लिखिए, जैसे–

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| व | र्षा | आ | व | ई | वर्षा ..... |
| सू | ✱ | स | मु | द्र | ..... ..... |
| र्य | ✱ | मा | बा | ध | ..... ..... |
| बैं | ग | नी | द | नु | ..... ..... |
| प्र | का | श | ल | ष | ..... ..... |

- इंद्रधनुष का चित्र बनाकर रंग भरें
- पाठ को मौखिक याद कर अपनी कक्षा में एकांकी का मंचन करें
- आप विद्यालय में क्या–क्या करते हैं ? नीचे लिखे अनुसार अपने शब्दों में लिखें

अ. प्रार्थना–सभा में ? .....

.....

.....

ब. आधी छुट्टी में ? .....

.....

.....

स. बाल–सभा में ? .....

.....

.....

अपनी अज्ञानता का आभास हो जाना ही ज्ञान का प्रथम सोपान है।
–अज्ञात